



पवन मंद सुगंध शीतल, हेम मंदिर शोभितम्।
निकट गंगा बहत निर्मल, श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम्॥

शेष सुमिरन करत निशदिन, धरत ध्यान महेश्वरम्।
वेद ब्रह्मा करत स्तुति, श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम्॥
॥ पवन मंद सुगंध शीतल... ॥

शक्ति गौरी गणेश शारद, नारद मुनि उच्चारणम्।
जोग ध्यान अपार लीला, श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम्॥
॥ पवन मंद सुगंध शीतल... ॥

इंद्र चंद्र कुबेर धुनि कर, धूप दीप प्रकाशितम्।
सिद्ध मुनिजन करत जय जय, बद्रीनाथ विश्वम्भरम्॥
॥ पवन मंद सुगंध शीतल... ॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें



श्री बद्रीनाथ जी की आरती

Shri Badrinath Aarti • MandirTheTemple.com

यक्ष किन्नर करत कौतुक, ज्ञान गंधर्व प्रकाशितम्।
श्री लक्ष्मी कमला चंवरडोल, श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम्॥
॥ पवन मंद सुगंध शीतल... ॥

कैलाश में एक देव निरंजन, शैल शिखर महेश्वरम्।
राजयुधिष्ठिर करत स्तुति, श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम्॥
॥ पवन मंद सुगंध शीतल... ॥

श्री बद्रीजी के पंच रत्न, पढ़त पाप विनाशनम्।
कोटि तीर्थ भवेत पुण्य, प्राप्यते फलदायकम्॥
॥ पवन मंद सुगंध शीतल... ॥
पवन मंद सुगंध शीतल, हेम मंदिर शोभितम्।
निकट गंगा बहत निर्मल, श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम्॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें